seems Dr. Alva resigned because of personal reasons. We are getting all the more doubtful about it. What are the personal reasons? Is it because of illness or because of some difficulties in his family? Some grounds must have been mentioned by him. You are not prepared to tell us what specific grounds he has given: why this hesitation to answer this question? It creates doubts in our mind about the whole problem. I want the Minister to tell us specifically what are the reasons that made him resign.

SHRI RABI RAY: Personal reasons are personal. He has written that he has resigned on personal grounds.

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Why is so much time being taken? Already there is a suspicion that records have been tampered with: so why give more time for tampering with the evidence that already exists? Why is an immediate decision not taken to put somebody else in the place of Dr. Alva?

SHRI RABI RAY: As and when Government decides I will come before parliament.

SHRI R. K. MHALGI: May I know from the Hon. Minister whether he himself is satisfied with the reasons given by the Doctor?

MR. SPEAKER: It is not for him.

SHRI R. K. MHALGI: In the capacity of a Minister whether he is satisfied with the reasons given by the Doctor is what I want to know.

SHRI K. S. CHAVDA: Is it a fact that he found himself incompetent to hold the enquiry because in practice he is more in politics than in medicine—he was an active Member of the Janata Party—so that he could not hold an impartial enquiry, and that is the reason why he resigned?

SHRI RABI RAY: I do not agree with the Member's contention.

Cancellation of Trains

*343. SHRI KANWAR LAL GUPTA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) how many trains were cancelled and for how much period in the last 4 months on account of shortage of coal;

(b) are Government aware of the fact that Coal India Limited has repeatedly said that there is no shortage of coal but shortage of wagons;

(c) if so, what is his reaction thereto;

(d) what specific steps have been taken by Government to see that the wagons reach in time for loading coal; and

(e) when all the cancelled trains will be restored?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (e). A statement is laid on the able of the House.

Statement

Month	Number of pairs of trains cancelled		
	At the beginning of the month	During the middle of the month	At the end of of the month
November, 78	148·0	167·5	189·5
December, 78	189·5	195·5	181·0
January, 79	173·0	174·5	216·0
February, 79	211·0	193·5	160·5
March, 79	149·5	142·5	..

(b) and (c). Though there was a shortfall in steam coal supplies to the Railways, mainly from Raniganj area of Bihar and Bengal coalfields, due to some difficulties in the mines and flooding of a large number of mines by unprecedented rain in the first half of the current financial year, steam coal offers by collieries in this area have improved recently, enabling the railways to restore the cancelled trains gradually.

(d) All possible efforts are made by the Railways to match wagon allotments with offers by collieries through inter-ministerial co-ordination.

(e) Zonal Railways have been instructed to restore cancelled trains as soon as the coal stock position further improves.

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, यह मामला कई महीनों से चल रहा है । रेलवे मंत्रालय कहता है कि कोल की कमी है, एनर्जी मंत्रालय कहता है कि रेल की कमी है और लोगों को तकलीफ हो रही है । नतीजा यह होता है कि 6–6 महीने तक जिन के केसेज स्टेट गवर्नमेंट ने रेकमेंड किए हुए हैं उन को वैगन नहीं मिल रहा है । वैगन किन को मिलता है जो कोल वालों को भी पैसा देते हैं और रेल वालों को भी पैसा देते हैं । जहां कोलिशन होता है, दोनों खुश होते हैं वहां मिलता है । तो मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या आप के पास कोल इंडिया लिमिटेड या मिनिस्ट्री आफ माइन्स से इस सम्बन्ध में लेटर आया है ? जो आप बार बार कहते हैं कि कोल की कमी है, तो कोल की कमी नहीं है, इस तरह का कोई लेटर आप के पास आया है और आया है तो उस की तफसील क्या है ?

दूसरे, मैं यह जानना चाहता हूं कि ट्रेन्स जो कैंसिल हुई हैं उन में से आप ने कितनी रेस्टोर कर दी हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : मान्यवर, सवाल जो पूछा गया वह स्टीम कोल के सिलसिले में है । जो बयान दिया गया है उस में सारे आंकड़े दिए गए हैं । लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं शुरू में .....

श्री कंवर लाल गुप्त : मैंने तो कोल के बारे में कहा है ।

प्रो० मधु दण्डवते : सवाल स्टीम कोल का है ।

श्री कंवर लाल गुप्त : सवाल कोल का है ।

प्रो० मधु दण्डवते : ट्रेन में स्टीम कोल लगता है, यह दुर्भाग्य है हमारा । अगर दूसरे कोल से ट्रेन चलती तो बहुत अच्छा होता । आप का सवाल ट्रेन कैंसिलेशन के बारे में है ....

श्री कंवर लाल गुप्त : और भी आगे है ।

प्रो० मधु दण्डवते : वह ठीक है, लेकिन शुरुआत जब आप ट्रेन से करते हैं ... (व्यवधान) ... मान्यवर, अगर आप इस सवाल की तरफ देखें तो यह पायेंगे कि यह सवाल ट्रेनों की कैन्सेलेशन के सिलसिले में उठाया गया है और वही सवाल आगे चला है । इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि स्टीम कोल

की कमी की वजह से यह सारी गड़बड़ी हुई है। माननीय सदस्य ने यह ठीक कहा कि कई मरतबा इनर्जी मिनिस्ट्री और रेलवे मिनिस्ट्री की तरफ से जो बयान आते हैं, उन से ऐसा पता चलता है कि दोनों के बीच कोआर्डीनेशन नहीं है। इस सुझाव को ध्यान में रखते हुए, इनर्जी मिनिस्ट्री और रेलवे मिनिस्ट्री की एक ज्वाइण्ट बैठक हुई और उस बैठक में हमने पूरी तस्वीर तैयार की और पिछला जो बयान आया, वह ज्वाइन्ट बयान आया और मैं आप को यह यकीन दिलाना चाहता हूं कि आगे चल कर इनर्जी मिनिस्ट्री की तरफ से एक बयान और रेलवे मिनिस्ट्री की तरफ से एक दूसरा अलग बयान, इस प्रकार के बयान नहीं आएंगे, ज्वाइण्ट बयान आयेंगे।

मैं यह भी बताना चाहता हूं कि तीन ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन की वजह से स्टीम कोल की कमी हुई। हम लोगों को सारी गाड़ियां चलाने के लिए 13.4 मिलियन टन स्टीम कोल की जरूरत होती है और हमारा दुर्भाग्य यह रहा कि पहले तो गोमिया में स्ट्राइक हुई, जिस की वजह से थोड़ी तकलीफ हुई और बाद में सिंघरेणी में अप्रैल के महीने में स्ट्राइक हुई और उस से कुछ तकलीफ हुई। उस के बाद सितम्बर के महीने में बड़े पैमाने पर बाढ़ आई और उसकी वजह से स्टीम कोल की कमी हुई लेकिन आहिस्ता आहिस्ता इनर्जी मिनिस्ट्री की तरफ से यकीन दिलाए गये और हमारे यहां सप्लाई बढ़ती गई। आखीर में मैं यह कहना चाहता हूं कि सारी ट्रेनें ठीक ढंग से चलें, उस के लिए हमारे पास जो 8,362 स्टीम इंजिन हैं, उन को ठीक तरीके से इस्तेमाल करना है और उन के लिए हर दिन एवरेज सप्लाई स्टीम कोल की 1600 वैगन होनी चाहिये लेकिन आहिस्ता आहिस्ता इन में कमी होती गई और सितम्बर, में बाढ़ आने की वजह से और भी कमी हुई। हमारा सौभाग्य यह है कि अब परिस्थिति सुधर गई है। मैं आप को सितम्बर के महीने से स्टीम कोल के शार्टफाल बताता हूं। सितम्बर, में 188 रहा, अक्तूबर, में 251 रहा, नवम्बर में 162 रहा, दिसम्बर, में 88 रहा, जनवरी में 86 रहा और फरवरी के महीने में सिर्फ 23 वैगन्स की कमी रही है और मैं उम्मीद करता हूं कि अप्रैल तक यह सारा स्टीम कोल रेस्टोर हो जाएगा और उस के बाद जितनी ट्रेनें हम ने कैंसिल की थीं, वे रेस्टोर हो जाएंगी।

श्री कंवर लाल गुप्त : मंत्री महोदय ने जो ट्रेनें कैंसिल की हैं, उन का विवरण पूरी तरह से दिया और मैं उन को बधाई देना चाहता हूं, पर मंत्री महोदय को क्या यह भी मालूम है कि रेलवे की वजह से या कोल वालों की वजह से या भगवान जाने किस की वजह से सारे देश में कोयले की कमी है? उस कमी को दूर करने के लिए रेलवे मंत्रालय क्या कर रहा है और क्या मंत्री महोदय, यह विश्वास दिलायेंगे कि इस सम्बन्ध में वे इनर्जी मिनिस्टर से बात कर के रेलवे वैगन्स दे कर कोयले की कमी इस देश में नहीं होने देंगे। मैं जानना चाहता हूं कि उस के बारे में वे क्या पग उठा रहे हैं?

प्रो० मधु दण्डवते : मान्यवर, जो सवाल पूछा गया है, उस का जवाब इतना ही देना चाहता हूं कि कोआर्डीनेशन करने के लिए यह बैठक हुई, इतना ही नहीं बल्कि हर हफ्ते एक मर्तबा रेलवे मोनीटियेरिंग के लिए कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक होती है, जिस में रेलवे का प्रतिनिधि होता है और इनर्जी मिनिस्ट्री का प्रतिनिधि हमेशा रहता है और जो कोआर्डीनेशन का काम हमने शुरू किया है, उस के चलते यह परिस्थिति सुधरी है। कुछ दिक्कत रेलवे की है और वह यह है कि टर्न राउण्ड आफ वैगन्स बढ़े हैं और ईराशनल ट्रेफिक हुआ है, इम्पोर्ट्स बन्द हुए हैं और सालाना लीड्स 720 किलोमीटर बढ़ा है। इसलिए ज्यादा वैगन्स की जरूरत है और उस की सैंकशन भी हम लोगों ने ली है। बाढ़ का नतीजा यह हुआ कि माइन्स के बारे में कुछ गड़बड़ी हुई। इसी तरह से दुर्गापुर स्टील प्लाण्ट से जो व्हील सेट्स हमारे वैगन्स के लिए मिलते थे, उनकी कमी हुई। इस कमी को ध्यान में रखते हुए हम लोगों ने इम्पोर्ट का इन्तजाम किया है। फोरेन एक्सचेन्ज की स्थिति हमारी अच्छी है, इसलिए इम्पोर्ट का इन्तजाम कर रहे हैं और आहिस्ता आहिस्ता परिस्थिति सुधर जाएगी और कोयले की कमी दूर होते ही हम गाड़ियां रेस्टोर कर देंगे। . . . .

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Whenever there is a shortage of coal or any trouble, they cancel trains. I would like to know what is the system they follow, because many of the trains that have been cancelled are some of the local trains which serve the growing industrial and other areas. Therefore, I would like to know how soon he is going to restore those trains which serve such areas, for instance, Vikravandi Trichy passenger train through which workers travel for the Heavy Electricals Plant in Trichy, central government offices in Trichy. All these passengers going up and down are now severely affected by the cancellation of this train. I would like to know what is the system that you follow or just you take a red pencil and draw a line by saying 'local trains, local trains are out, etc.' Is there any system or science behind it which is very necessary when you have got your developed economy and various areas are growing?

PROF. MADHU DANDAVATE: She has asked the criteria being observed for the cancellation of trains. One major criterion that we have been observing is that whenever due to want of steam coal the trains have to be cancelled, we would try to find out

what is the density of traffic in various areas. At some places, the density of traffic is high because of the movement of the industrial workers; at some places it is due to movement of raw-material; sometimes, it is due to extraneous factors. So, we take solely the traffic density into account whenever trains are to be cancelled. In case we cancel the trains on trunk routes and main routes, then there will be greater dislocation. Therefore we cancel the trains on the branch lines and the loop lines. Here also, we see to it that all the trains are not cancelled but alternate trains are only cancelled.

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Why should you cancel that? You should have cancelled only the alternative lines.

MR. SPEAKER: She is only interested in Coimbatore and other areas.

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: What about the office going people, students and workers?

PROF. MADHU DANDAVATE: That is what exactly I have mentioned. I have only mentioned the industrial workers because I know that you have more sympathy for the proletariat. But I would also mention students and other sections. But wherever traffic density is higher, I can assure the hon. Member that we will not cause any inconvenience. In any way, by April, probably almost all the trains will be restored.

श्री तेज प्रताप सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय रेल मंत्री जी ने बताया कि कोयले की कमी की वजह से जो ट्रेनों का कैंसिलेशन होता है वह ब्रांच लाइनों पर होता है और उसमें एक क्राइटेरिया यह होता है कि लोगों को कम से कम असुविधा हो। लेकिन एक बात मेरी समझ में नहीं आती कि एक ब्रांच लाइन पर दो ट्रेनें चलती हैं और वहां कोयले की कमी की वजह से ट्रेन कैंसिल की जाती है तो उसमें यह क्राइटेरिया क्यों नहीं अपनाया जाता? झांसी भवानीपुर लाइन पर दो गाड़ियां चलती हैं— एक रात को और एक दिन में। लेकिन रात वाली ट्रेन कैंसिल नहीं की गई, दिन वाली कैंसिल कर दी गई। इससे वहां के लोगों को बड़ी [असुविधा हुई। इस के क्या कारण हैं?

प्रो० मधु दण्डवते : माननीय सदस्य को मैं याद दिलाना चाहता हूं कि यह कसौटी कभी नहीं रही है कि ट्रेन कैंसिलेशन की वजह से लोगों को असुविधा हो। कई जगह यह हो सकता है कि दो पैसेंजर्स ट्रेन हैं, दो में से एक को कैंसिल करना है, अब कौन-सी को कैंसिल किया जाए उसके बारे में मतभेद हो सकता है। अगर माननीय सदस्य यह सुझाव दे सकते कि दूसरी ट्रेन को कैंसिल करने से लोगों को कम असुविधा होगी तो विचार किया जा सकता है।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: I would like to know from the hon. Minister the total number of goods trains cancelled during the period and the total amount of loss incurred due to cancellation of goods and passengers trains.

PROF. MADHU DANDAVATE: Sir, it is difficult to give the exact upto-date figures, but I can say this much that as a result of floods when some routes were completely dislocated, as a result of loss of revenue due to freight, loss of earnings due to passenger traffic being lost and due to some of the routes that were completely destroyed and they are to be restored, we have lost earnings of the order of Rs. 30 crores.

श्री नटवर लाल बी० परमार : क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कोल फील्ड से गुजरात की इण्डस्ट्रीज तथा पावर स्टेशन्स के लिए ब्लैक कोल भेजने की कोई प्लानिंग है?

प्रो० मधु दण्डवते : कैंसिलेशन आफ ट्रेन्स के बारे में यह सवाल था, चूंकि आपने उनको इजाजत दे दी है इसलिए मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि गुजरात सरकार से इस सिलसिले में बातचीत हुई है और हमने उन्हें यह आश्वासन दिया है कि कोई थर्मल पावर स्टेशन या इण्डस्ट्री बन्द नहीं होगी— इस प्रकार का इन्तजाम हम कोयले के बारे में कर रहे हैं।

श्री राघवजी : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के अनेक स्टेशनों पर 6–6 महीने से इण्डेन्ट लगे हुए हैं लेकिन वैगन्स नहीं मिल रहे हैं। भोपाल के आस पास जितनी भी कृषि उपज मण्डियां हैं और वहां जो स्टेशंस हैं वहां पर 6 महीने से वैगन्स न मिलने के कारण 25–25 रुपये क्वींटल अनाजों के भाव गिर गए, कारण यह है कि ट्रकों ने भाड़े बढ़ा दिए हैं। मैं जानना चाहता हूं वेगन्स न मिलने का कारण कोयले की कमी है या रेलवे मैनेजमेण्ट की अव्यवस्था है क्योंकि एक ओर जहां भरी ट्रेन्स खड़ी रहती हैं, दूसरी ओर खाली ट्रेन्स भी खड़ी रहती हैं, उनका मूवमेण्ट नहीं होता है? क्या यह भी उसका एक कारण है?

प्रो० मधु दण्डवते : मूल सवाल कोयले के बारे में था लेकिन वह कोयले से वैगन तक जा कर पहुंचा। चूंकि माननीय सदस्य को यह न लगे कि मैं इस सवाल को टालना चाहता हूं इसलिए उनको बताना चाहता हूं कि यह सही है कि इस देश में हमारी सारी ट्रैफिक पैटर्न बदल जाने के बाद, लीड 720 किलोमीटर होने के बाद, जितने हमारे चार लाख वैगन्स हैं उनमें 5 परसेंट खराब मान लेने के बाद भी हमारे वैगन्स ज्यादा देर तक अकूपाइड रहते हैं तथा ज्यादा वैगन्स के लिए स्टील सेट्स बाहर से मंगवाने की कोशिश करते हैं और इस तरह से आपरेशन एफीशिएन्सी बढ़ाने की हमारी कोशिश है—यह आश्वासन मैं देना चाहता हूं।

SHRI GEV. M. AVARI: Recently I went to some of the places in South Central area. In Andhra Pradesh and Karnataka, because of lack of coal many industries are working for five or ten days a month. When I went to the coal authorities, they said it is because of the lack of railway wagons there. When I approached the South Central Railway authorities, they said the same thing. I do completely agree with Shri Kanwar Lal Gupta who says there is no co-ordination. By what time will the Government be able to co-ordinate this between the Energy Ministry and the Ministry of Railways so as to bring the normal supply of coal to these industries.

PROF. MADHU DANDAVATE: I have already explained how there is co-ordination between Ministry of Energy and Ministry of Railways. We have also set up a Monitoring Committee of the Cabinet which meets every week and we are trying to sort out all the problems. I do not want to shift the responsibility to the Energy Ministry by saying that everything is all right in the Railways. We are trying to co-ordinate things.

As far as wagons are concerned, due to the change in traffic pattern, there is artificial scarcity of wagons. That is the blame as far as Railways are concerned. As far as Energy Ministry is concerned, certain categories are in abundance. Sometimes wherever the pit head stocks are adequate, we are not able to have the wagons supplied there. In some places where conveniently we are able to supply the wagons, at those places the pit head stocks are low. We are trying to sort out the problems. Therefore, after proper co-ordination, as I assured, by the end of April we should be able not only to restore all the trains which have been cancelled due to lack of steam coal but also ensure the coal supply required for industries and thermal power plants.

SHRI BEDABRATA BARUA: I am surprised with the frank admission of the hon. Minister that he needed wagons and that he is short of wagons. He is able to carry his own requirement of steam coal. The point is it is a very bad management if it were so because by not carrying a few wagons of coal he is paralying thousands of wagons from being moved. This should not happen. He knows there was a time a few years ago....

MR. SPEAKER: I think we are having another debate on Railways.

SHRI BEDABRATA BARUA: There was no scarcity of wagons. This is now due to corruption. He should admit it and the country knows about it. I am not satisfied with the statement that both of them are now sharing the responsibility and, there by, the matter is posponed for all times to come. I would like to ask a specific question. Why cannot you take over the steam coal mines and keep them under the Railways so that this question of blaming each other does not arise. Taking it over from the Energy Ministry would be a very good solution.

PROF. MADHU DANDAVATE: Sir, This is a surprising suggestion. For instance, if we have to tackle the problem of imports and in that we have to use the good offices of the External Affairs Ministry and the Commerce Ministry also, would you suggest that we take over the External Affairs Ministry and the Commerce Ministry also to tackle the problem? It is as absurd as that. It is

the question of mines. Taking over the mines by the Railways does not arise at all.

As far as mines are concerned, it is not that some mines exclusively produce steam coal and no other variety of coal. Therefore, this question of taking over of certain mines by the Railways only for delivery of steam coal, is wrong. I must correct your initial statement that there is no difficulty in starting our trains but there is a difficulty of wagons to carry the steam coal for railways. As far as our steam traction is concerned, we require 33,000 tonnes of steam coal per day. At one stage we were short of 3000 tonnes per day and then 2500 tonnes per day. Now, the shortage has come to a very low level and I am sure that even with the present situation, we will be able to restore the trains which were cancelled for want of steam coal.

SHRI EDUARDO FALEIRO: Part (b) of the question suggests that Coal India Limited says that there is no shortage of coal but there is shortage of wagons. Now, there have been officials from his Ministry going on record and saying that at many places they have put wagons at the disposal of the coal mines but because the coal was not taken out of the coal fields and pitheads and put in the wagons, wagons remain un-utlised and idle for a long period of time. Is it a fact or not?

PROF. MADHU DANDAVATE: I have already state that the difficulty is that certain routes which are saturated and if we are able to provide wagons...

SHRI EDUARDO FALEIRO: I do not want a vague reply. I want a precise reply. I just want to know: had there been any incidence when wagons were there but coal was not there?

PROF. MADHU DANDAVATE: I am not vague at all. If you are bent upon seeing vagueness even in precision what can I do?

I have given a special reply that there are some mines where the pithead stocks are adequate but the line capacity is inadequate. At some places the line capacity is adequate but there the coal production is inadequate. This is the difficulty to which I had referred to only half-a minute earlier.

श्री राम सेवक हजारी : इन्होंने जो आंकड़ा पैश किया है कि कोल का उत्पादन कम है यह ठीक नहीं है । दरअसल में ऐसी बात नहीं है । ये जो कोल माइंज के लोग हैं इन्होंने गलत आंकड़ा दे कर सरकार को अन्धकार में रखा है । रेलों को जितने कोयले का आवंटन होता है रेल विभाग के पदाधिकारी उतने कोयले को उठा नहीं पाते हैं । जो कोयला उठाया भी जाता है रास्ते में बड़े पैमाने पर उसकी चोरी भी होती है । इसका नतीजा यह है कि कोयले की कमी बता कर आपको गाड़ियां रद्द करनी पड़ती है ।

गाड़ियां रद्द करने का एक दूसरा भी कारण है । जो प्राइवेट वीहिकल्ज वाले हैं उन से मंथली रेल विभाग के लोगों का फिक्स रहता है और कोयले के अभाव का बहाना बना करके गाड़ियों को रद्द कर दिया जाता है । इस सब की निष्पक्ष जांच समिति बिठा करके क्या आप जांच करवाने के लिए तैयार हैं ? समय पर कोयला आवंटित होता है या नहीं, समय पर उठा पाते हैं या नहीं, कोयले की चोरी होती है या नहीं, कोयले की कमी का बहाना बना करके प्राइवेट वीहिकल्ज वालों से पैसा ले कर गाड़ियों को रद्द किया जाता है या नहीं, इस सब की जांच करके सुझाव देने के लिए ताकि काम ठीक से हो क्या आप निष्पक्ष जांच समिति का गठन करेंगे ?

प्रो० मधु दण्डवते : माननीय सदस्य इतना समझने की कोशिश करें कि गाड़ियों के 211 जोड़े रद्द करना, इतनी चोरी अगर हो जाये तो मैं समझता हूं कि चोरी की कोई हद नहीं । 211 जोड़े गाड़ियों के जब रद्द किये जायें, जैसे कहा कि चोरियों की एफिशियेंसी कितनी भी बढ़े तो भी 211 जोड़े चोरी करने की कभी हिम्मत नहीं हो सकती है । पहले ही मैंने जवाब दिया है कि दोनों की जिम्मेदारी थी । चन्द माइनें ऐसी हैं, जहां कोयले का उत्पादन अच्छा रहा, लेकिन जिस रास्ते पर इस कोयले को ले जाना था, वहां हमारी कैपेसिटी सैचुरेट होने की वजह से कोयला हम नहीं उठा पाये । करनपुरा ऐसी चन्द माइनें हैं जहां कोयले का उत्पादन था, लेकिन हम प्रबन्ध नहीं कर पाय । दूसरी ऐसी माइनें भी हैं जहां कि कोयले के उत्पादन की कमी है और गाड़ियों का इन्तजाम हो पाया था । तो को-आर्डिनेशन के बाद यह सवाल हल हो जायेगा ।

SHRI V. M. SUDHEERAN: Most of the passenger trains were cancelled in the Olavakote Division during the last 3 months due to the shortage of coal which led to students' agitations and agitations of the local people. It was reported that the coal supplied to Olavakote Division was of bad quality. In these circumstances, may I know from the hon. Minister the steps taken by him to avert or to avoid further cancellation of passenger trains of that Division?

PROF. MADHU DANDAVATE: I have already given the assurance. I will confirm that.

MR. SPEAKER: Now, I will come back to Question No. 323—Absent.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Mr. Speaker, I am on a point of order. I am sorry, my question...

MR. SPEAKER: I am also sorry, that question has already been put. Question No. 324—absent, Question No. 325—absent, Question No. 326—absent, Question No. 327.—absent, Question No. 328—Mr. Durga Chand.

Laying of Railway Lines During Sixth Five Year Plan

+

*328 SHRI DURGA CHAND:

SHRI S. S. SOMANI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have finalised their proposal to lay new railway lines in the various parts of the country during the Sixth Five Year Plan period.

(b) if so, details regarding the projects and the expenditure proposed to be incurred on these project during the Plan period; and

(c) what will be the locations of the proposed new lines?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) to (c). Allocation for construction of new line projects-both-on-going schemes as well as new projects-is under finalisation in consultation with the Planning Commission. Final selection of new projects to be taken up, is made on year to year basis after proper surveys and in consultation with the Planning Commission.

श्री दुर्गाचन्द : रेलवे कन्वैंशन कमेटी की 1977 की रिपोर्ट में यह सिफारिश की गई थी कि रेलवे डिपार्टमेंट फाइनेन्स डिपार्टमेंट से बाचतीत करेगा कि रेलवे सरपल्स में से कुछ एमाउण्ट एज डैवलपमैंट फंड एपोशन किया जाये। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या रेलवे डिपार्टमेंट की फाइनेन्स डिपार्टमेंट से यह बात तय हो गई है? यदि हां, तो कितना एमाउण्ट सरपल्स में से डेवलपमेंट फण्ड के लिए रखा गया है और उसमें से कितनी नई रेलवे लाइनों के लिए आपने प्लानिंग कमीशन को लिखा है?

श्री मधु दण्डवते : मैंने रेलवे बजट के अपने भाषण में बताया है कि रेलवे कन्वैंशन कमेटी ने जो इसकी सिफारिशें, एक्सपर्ट कमेटी के आधार पर दी हैं, उसका जिक्र मैंने भाषण में किया है, जब डिमांडज फार ग्राण्ट्स पर चर्चा होगी, उसके साथ ही यह रैज्यूलूशन भी रखा जायेगा और जब यह प्रस्ताव इस सदन में इस सत्र में मंजूर किया जायेगा, उसके आधार पर जो भी कार्यक्रम होंगे, वह करने में काफ़ी सुविधा होगी।

श्री दुर्गाचन्द : मैं यह भी जानना चाहूंगा कि प्लानिंग कमीशन के पास जो उन्होंने रिकमैंडेशन्स भेजी हैं, उसमें कितनी नई लाइनें हैं और किस स्टेट में कितनी-कितनी लाइनें आपने रिकमैंड की हैं?

प्रो० मधु दण्डवते : अध्यक्ष महोदय, मूल सवाल एक आम सवाल है। अगर मैं हर एक क्षेत्र के बारे में यहां एक फ़ेहरिस्त देने लगूं, तो शायद उसके लिए समय नहीं होगा। मैं ने इसके बारे में बजट में बताया है। लेकिन इस वक्त मैं इतना ही बताना चाहता हूं कि आनगोइंग प्रोजैक्ट्स में से 5 लाइन्ज 1978-79 में पूरी की गई हैं, चंद महीनों में 4 और भी पूरी हो जायेंगी और आने वाले फ़िनांशल यीअर में 9 लाइन्ज पूरी करने की कोशिश की जायेगी।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: Men tend to take their wives for granted. In the same way, Dandavate takes the city of Bombay for granted. I am not taking a specific question. I am very concerned that the question of laying railway lines, you put it in the Five Year Plan and it never gets